हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 125 | प्रयागराज, मंगलवार 09 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 1रुपया

श्रीकांत त्यागी पर बुलडोजर की कार्रवाई महज दिखावा, प्रियंका ने योगी से पूछा सवाल, आखिर कौन उसे बचाता रहा

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने नोएडा में एक महिला से अभद्रता के आरोपी श्रीकांत त्यागी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेताओं के साथ ली गई तस्वीरें साझा करते हुए सोमवार को कहा कि इस मामले में बुलडोजर की कार्रवाई दिखावा है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि आखिर त्यागी को कौन बचाता आया है और क्या भाजपा सरकार को नहीं पता था कि उसने अवैध निर्माण करा रखे हैं? कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने ट्वीट किया, ''क्या इतने वर्षों से भाजपा सरकार को नहीं पता था कि नोएडा के भाजपा नेता का निर्माण अवैध है? बुलडोजर की कार्रवाई दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''सरकार इन सवालों के जवाब देने से बच रही है। एक महिला के साथ खुलेआम अभद्रता और 10–15 गुंडे भेजकर महिलाओं को धमकाने की हिम्मत उसे कौन दे रहा है? कौन है जो उसे बचाता आ रहा है? प्रियंका ने सवाल किया, ''किसके सरंक्षण में उसका गुंडाराज और अवैध कारोबार फला–फूला?गौरतलब है कि भाजपा का नेता होने का दावा करने वाले त्यागी के खिलाफ ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी की एक महिला के साथ अभद्रता करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि महिला ने त्यागी द्वारा सोसायटी के साझा क्षेत्र में पौधे लगाने पर आपत्ति जताई थी, जिससे वह भड़क उठा था। नोएडा प्राधिकरण ने शहर में त्यागी के आवास के बाहर बनाए गए 'अवैध निर्माण को ढहा दिया है। त्यागी अभी फरार है।

श्रीकांत त्यागी के हंगामा करने वाले 6 समर्थकों की कोर्ट में पेशी, ठहाके लगाते दिखे आरोपी

लखनऊ। महिला से बदसलुकी करने वाले श्रीकांत त्यागी के 6 समर्थकों की कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान आरोपी ठहाके लगाते नजर आए हैं। त्यागी के समर्थकों पर इलाके में हंगामा करने का आरोप है। बता दें कि त्यागी ने सूरजपुर कोर्ट में सरेंडर की अर्जी लगाई है। इस पर कोर्ट ने 10 अगस्त की तारीख दी है। कोर्ट ने पुलिस से त्यागी की रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि यूपी पुलिस ने त्यागी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया। जिसके बाद श्रीकांत ने कोर्ट ने सरेंडर की अर्जी लगाई। जिसके बाद कोर्ट में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। श्रीकांत त्यागी पर पुलिस ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि एसटीएफ और एसओजी की 40 टीमें अलग–अलग जिलों में दबिश दे रही हैं। दिन–रात ताबड़तोड़ छापेमारी चल रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक श्रीकांत बार–बार अपनी लोकेशन बदल रहा है। श्रीकांत ओमेक्स सोसायटी से होंडा सिविक कार से निकला था। इसके बाद रास्ते में स्कॉर्पियो में सवार हो गया। वहीं, होंडा सिविक लेकर ड्राइवर लौट आया। आगे चलकर श्रीकांत त्यागी ने स्कॉर्पियो भी छोड़ दी। चौराहों पर खंगाले गए फुटेज में स्कॉर्पियो वापस आती दिखी। इस दौरान उसने तीसरी कार ऐसी जगह बदली, जहां पर कैमरे नहीं थे।वहीं, अब पुलिस को लोकेशन मिली है कि श्रीकांत त्यागी उत्तराखंड में है।

मध्यप्रदेश: ओखला के समीप नदी में अचानक आयी बाढ़

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में बारिश के बाद एक नदी में अचानक बाढ़ आने के कारण कम से कम 14 कार बह गईं, जबकि लगभग 50 लोगों ने ऊंचे स्थानों की ओर भाग कर अपनी जान बचाई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इस घटना में हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवार ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को बलवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत काटकूट के जंगल में सुकड़ी नदी के पास उस वक्त हुई, जब इंदौर जिले से आए लोगों का समूह वहां पिकनिक मना रहा था। उन्होंने बताया कि समूह में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। पवार ने बताया कि ग्राम ओखला और आकया के समीप जंगलों में बारिश के चलते यह बाढ़ आई और नदी के किनारे खड़ी की गईं 14 कार पानी में बह गईं। उन्होंने बताया कि जब लोग पिकनिक मनाने आए थे तब नदी में पानी कम था और कुछ लोग नदी के आसपास कार चला भी रहे थे। पवार ने कहा कि पिकनिक मना रहे इंदौर जिले के करीब 50 बच्चे, औरतें और युवक समय रहते ऊंचे स्थानों पर आ गए जिसके चलते उनकी जान बच गई। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंचे बलवाड़ा के नगर निरीक्षक सीताराम चौहान ने ओखला और आकया के ग्रामीणों को बुलवाया तथा ट्रैक्टरों की सहायता से 10 कारों को नदी से निकलवाया।

राष्ट्रमंडल खेल: पीवी सिंधू ने कनाडा की मिशेल को हराकर स्वर्ण पदक जीता

बर्मिंघम। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने सोमवार को यहां फाइनल में कनाडा की मिशेल ली को सीधे गेम में हराकर राष्ट्रमंडल खेलों की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने दुनिया की 13वें नंबर की मिशेल को 21–15, 21–13 से हराकर 2014 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में उनके खिलाफ हार का बदला भी चुकता कर दिया। सिंधू ने 2014 में कांस्य पदक जीता था जबकि मिशेल स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं थी। मिशेल के खिलाफ 11 मैच में यह सिंधू की नौवीं जीत है। सिंधू का राष्ट्रमंडल खेलों में यह तीसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में भी रजत पदक जीता था। सिंधू मौजूदा खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारत की मिश्रित टीम का भी हिस्सा थी जिसे फाइनल में मलेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल में सिंधू के बाएं पैर में पट्टी बंधी थी जिससे कुछ हद तक उनकी मूवमेंट प्रभावित हुई और इसका असर उनके प्रदर्शन पर भी दिखा। उन्होंने कुछ मौकों पर मिशेल को आसान अंक बनाने का मौका दिया। सिंधू ने रैली में बेहतर प्रदर्शन किया और उनके ड्रॉप शॉट भी दमदार थे। मिशेल ने काफी सहज गलतियां की जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। भारत का बर्मिंघम खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता का यह चौथा पदक है। इससे पहले मिश्रित टीम के रजत पदक के अलावा किदांबी श्रीकांत ने पुरुष एकल जबकि त्रीशा जॉली और गायत्री गोपचंद की जोड़ी ने महिला युगल में कांस्य पदक जीते। मिशेल ने पहले गेम में काफी सहज गलतियां की। उन्होंने कई शॉट बाहर मारे और नेट पर भी उलझाए। उनके क्रॉस कोर्ट और सीधे दोनों स्मैश हालांकि दमदार से जिससे सिंधू को परेशानी हुई क्योंकि वह तेजी से मूव नहीं कर पा रही थी। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच प्रत्येक अंक के लिए संघर्ष देखने को मिला। सिंधू ने लगातार तीन अंक के साथ 3–1 की बढ़त बनाई लेकिन मिशेल ने 3–3 पर स्कोर बराबर कर दिया। मिशेल ने 7–7 के स्कोर पर लगातार दो शॉट बाहर मारे जिससे सिंधू ने 9–7 की बढ़त बना ली। मिशेल ने इसके बाद दो और शॉट बाहर मारे जिससे सिंधू ब्रेक तक 11–8 की बढ़त बनाने में सफल रहीं। कनाडा की खिलाड़ी ने ब्रेक के बाद लगातार दो शॉट नेट पर और एक बाहर मारा जिससे सिंधू ने 14–8 की मजबूत बढ़त बना ली। सिंधू ने इस बढ़त को 16–9 किया। मिशेल ने स्कोर 15–18 किया। सिंधू ने ड्रॉप शॉट से अंक जुटाया और फिर मिशेल के नेट पर शॉट मारने पर पांच गेम प्वाइंट हासिल किए। सिंधू ने मिशेल के शरीर पर शॉट खेलकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी सिंधू ने बेहतर शुरुआत की। मिशेल की गलतियां कम होने का नाम नहीं ले रही थी।

मुफ्त शिक्षा, अस्पतालों में मुफ्त उपचार के खिलाफ बनाया जा रहा माहौल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में मुफ्त सरकारी कल्याण सेवाओं को मजबूत करने के बजाए ऐसी सुविधाओं को सौगात करार देकर उनके खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। एक ऑनलाइन पत्रकार वार्ता के दौरान केजरीवाल ने केंद्र से हर घर को मुफ्त अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, 300 यूनिट बिजली प्रदान करने और 'बेरोजगारी भत्ता' देने की मांग की। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग मुफ्त शिक्षा, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज के प्रावधान को 'रेवड़ी' या सौगात कहते हैं। देश में सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज के प्रावधानों के खिलाफ देश में माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''हम देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं और हमें ऐसी सुविधाओं को मजबूत करने की योजना बनानी चाहिए, लेकिन हम उनके खिलाफ माहौल बना रहे हैं।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी चीजों का विरोध करने वालों को 'गद्दार' कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इन लोगों ने अपने दोस्तों के 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया। ऐसे लोगों को गद्दार करार दिया जाना चाहिए और उनके खिलाफ जांच की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने लोगों को वोट के लिए मुफ्त उपहार देने की 'रेवड़ी संस्कृति'' के खिलाफ आगाह किया था और कहा था कि यह देश के विकास के लिए ''बहुत खतरनाक'' है।

नागपुर में हुआ बड़ा हादसा, ड्राइवर का बिगड़ा बैलेंस

नागपुर। नागपुर में आज सुबह बच्चों से भरी एक स्कूल वैन नाले में गिर गई। जिसमें दो छात्र घायल हो गए हैं। ये हादसा नागपुर के बेसा घोगली रोड पर हुआ। घायल छात्रों के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसे के समय वैन में 16 स्कूली छात्र सवार थे। वैन के नाले में पलटते ही बच्चों में चीख–पुकार मच गई जिससे वहां के स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और किसी तरह सभी छात्रों को वैन से बाहर निकाला गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। और ड्राइवर को दुर्घटना के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि जब स्कूली वैन बच्चों को लेकर जा रही थी तो इसी दौरान ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और जिससे गाड़ी नाले में जा गिरी। हादसे में राहत की बात यह रही कि वैन में सवार बच्चों को ज्यादा चोटें नहीं आई हैं हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सांसद पर हमले को लेकर भाजपा ने राजस्थान सरकार पर संसद में साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को भरतपुर से पार्टी की सांसद रंजीता कोली पर हुए कथित हमले का मुद्दा संसद के भीतर और संसद के बाहर उठाया तथा कानून एवं व्यवस्था को लेकर राजस्थान सरकार पर निशाना भी साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राजस्थान में स्थिति ''भयावह'' है और कानून–व्यवस्था बिगड़ी हुई है तथा खनन माफियाओं को पूरी छूट दी गई है। कोली ने दावा किया कि रविवार रात भरतपुर में एक खनन माफिया ने उनकी कार को कथित तौर पर ट्रक से कुचलने की कोशिश की।

उन्होंने बताया कि कथित हमले में उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना के बाद कोली अपने समर्थकों के साथ क्षेत्र में चल रहे खनन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर भरतपुर की दिलावती पुलिस चौकी के सामने धरने पर बैठ गईं। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से चर्चा में आरोप लगाया कि भरतपुर सांसद पर चौथी बार खनन माफियाओं द्वारा हमला हुआ है। राठौड़ ने कहा, ''राजस्थान में स्थिति फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है। राजस्थान सरकार अपने अंतिम दिन गिन रही है, लेकिन इसमें वहां की जनता पिस रही है। अवैध खनन माफिया को वहां पूरी छूट दी गई है, ऐसा लगता है कि पूरे देश में कांग्रेस को चुनाव राजस्थान को बेचकर ही लड़ना है। मेघवाल ने कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी हुई है और कोली पर चौथी बार खनन माफियाओं द्वारा हमला हुआ है। उन्होंने कहा, ''राजस्थान सरकार कानून व्यवस्था के मामले में पूरी तरह लापरवाह हो गई है। राजस्थान सरकार के हाथ में कुछ नहीं रह गया है। राज्य में दलितों और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ गए हैं।''

लोकसभा में भाजपा की सांसद जसकौर मीणा ने कोली पर हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि उनपर चौथी बार हमला हुआ। भाजपा के सदस्यों ने ''राजस्थान सरकार शर्म करो'' के नारे लगाकर कोली पर हुए हमले की निंदा की। इससे पहले, भरतपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कोली ने कहा, "खनन माफिया ने मुझ पर चौथी बार हमला किया था। मैं अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन की स्थिति का जायजा लेने पहुंची थी। माफिया ने ट्रक से मेरे वाहन को कुचलने की कोशिश की। सौभाग्य से हम समय पर वाहन से बच निकले।

आलू से बने फ्लेक्स एनर्जी बार के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय को पेटेंट मिला

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी ने आलू से बने फ्लेक्स एनर्जी बार के लिए पेटेंट हासिल किया है। यह एनर्जी बार धावकों, बढ़ते बच्चों, कमजोर मरीजों की ऊर्जा जरूरतों को तत्काल पूरी करने में सक्षम है। सेंटर आफ फूड टेक्नोलाजी की प्रमुख प्रोफेसर नीलम यादव ने बताया कि आलू से फ्लेक्स एनर्जी बार बनाने की परियोजना पर 2017 से पहले से काम चल रहा है और अप्रैल, 2017 में पेटेंट के लिए आवेदन किया गया था जो अब जाकर मिला है। उन्होंने बताया कि 100 ग्राम फ्लेक्स एनर्जी बार में 365 किलो कैलोरी, 11–12 प्रतिशत प्रोटीन और 4–5 प्रतिशत खनिज की मात्रा है। इस एनर्जी बार में सूखे मेवे आदि का मिश्रण है और इसे ड्रम ड्रायर में तैयार किया गया है।यादव ने बताया कि इस बार का मुख्य घटक आलू के फ्लेक्स हैं जिन्हें आलू की कुफरी फ्राइसोना किस्म से तैयार किया गया। आलू की यह किस्म मेरठ और सहारनपुर क्षेत्र में पैदा की जाती है और इसे वहां के शीत भंडार गृहों में रखा जाता है।

विद्युत संशोधन विधेयक राज्यों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि संसद में केंद्र द्वारा पेश किया गया विद्युत (संशोधन) विधेयक–2022 राज्यों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस तरह की कुटिल चाल से संघीय ढांचे को 'कमजोर कर रही है। बिजली आपूर्तिकर्ताओं के वितरण नेटवर्क तक गैर–भेदभावपूर्ण खुली पहुंच की अनुमति देने के लिए लाए गए विद्युत (संशोधन) विधेयक 2022 को विपक्ष के विरोध के बीच सोमवार को लोकसभा में पेश किया गया। विपक्ष का दावा है कि यह राज्य सरकारों के कुछ अधिकारों को छीनने के लिए है। मान ने कहा कि यह केंद्र सरकार का राज्यों की शक्ति को 'कमजोर करने का एक और प्रयास था। उन्होंने कहा कि केंद्र को राज्यों को कठपुतली नहीं समझना चाहिए। मान ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''हमारे लोकतंत्र की संघीय भावना को कमजोर करने के भारत सरकार के इस प्रयास के खिलाफ राज्य चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक लड़ेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को बिजली क्षेत्र से संबंधित कोई भी विधेयक पेश करने से पहले राज्यों से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक राज्यों पर थोपा जा रहा है, जो संघीय ढांचे पर सीधा हमला है। केंद्र की मंशा पर सवाल उठाते हुए मान ने कहा कि जब राज्य अपने दम पर लोगों को बिजली मुहैया कराते हैं, तो संसद में विधेयक पेश करते समय उनकी प्रतिक्रिया क्यों नहीं ली गई।उन्होंने पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य में किसानों को कृषि के लिए मुफ्त बिजली दी जा रही है। इसी तरह, घरेलू उपभोक्ताओं को भी मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र अपनी शर्तों के अनुसार बिजली अधिनियम में संशोधन कर रहा है, तो किसानों और अन्य वर्गों को बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि पंजाब जैसे राज्य इस तरह की जनहितैषी पहल को जारी रखने में सक्षम नहीं होंगे। मान ने कहा कि केंद्र को आग से खेलने से बचना चाहिए। मान ने केंद्र सरकार से अपने कदम पर पुनर्विचार करने को कहा, क्योंकि देश के लोग ऐसे एकतरफा फैसलों को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विद्युत (संशोधन) विधेयक 2022 को वापस लेने का आग्रह किया था, ताकि राज्यों, किसानों और कृषि संघों सहित सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार विमर्श किया जा सके।

युवा और सांसद नायडू से समाज, देश व लोकतंत्र के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को युवाओं व सांसदों के लिए प्रेरणास्रोत करार दिया और कहा कि वे समाज, देश और लोकतंत्र के बारे में उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। राज्यसभा के सभापति नायडू को उच्च सदन में विदाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह देश के एक ऐसे उपराष्ट्रपति हैं, जिन्होंने अपनी सभी भूमिकाओं में हमेशा युवाओं के लिए काम किया और सदन में भी हमेशा युवा सांसदों को आगे बढ़ाया और उन्हें प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा, ''आपने देश के लिए और सदन के लिए जो कुछ किया है, उसका ऋण स्वीकार करते हुए आपको भविष्य के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने नायडू के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि इस अवधि में सदन के कामकाज में वृद्धि हुई। उन्होंने नायडू के बारे में कहा, ''इस सदन को नेतृत्व देने की जिम्मेदारी भले ही पूरी हो रही हो लेकिन उनके अनुभव का लाभ भविष्य में देश को मिलता रहेगा, साथ ही हम जैसे अनेक सार्वजनिक जीवन के कार्यकर्ताओं को भी मिलता रहेगा।

सम्पादकीय

न्यायिक व्यवस्था में सुधार जरूरी

न्याय व्यवस्था से लोगों की शिकायतें बहुत पुरानी हैं, क्योंकि अतीत में राजशाही, तानाशाही और सामंती सत्ताएं न्याय के नाम पर अन्याय ही करती रहीं। अकबर और बीरबल से जुड़ा एक किस्सा यूं है कि एक किसान की पत्नी नहीं रही, तो अपने अशांत मन के लिए शांति की तलाश में वह काजी के पास गया। काजी ने दरगाह जाने की सलाह दी, तो उसने जीवन भर की अपनी गाढ़ी कमाई आशंका से काजी की सुरक्षा में छोड़ दी कि दरगाह के रास्ते में वह चोरी ना हो जाए। कुछ दिनों बाद जब वह दरगाह से लौट कर आया और काजी से अपनी थैली वापस ली। घर जाकर उसने पाया कि थैली में सिक्कों की जगह पत्थर हैं। इस बारे में पूछने पर काजी भड़क उठा और धमकाने लगा कि इस झूठे इल्जाम के लिए वह उसे बख्शेगा नहीं। बात बीरबल तक पहुंची, तो उन्होंने किसान को न्याय दिलाने का उपाय सोचते–सोचते अपने नौकर को एक फटा कुर्ता देकर उसको इस तरह रफू करा लाने को कहा कि किसी को उसके फटे होने का पता न चले।

नौकर रफू हुआ कुर्ता वापस लाया, बीरबल के पूछने पर रफूगर की जानकारी दी। दो दिन बाद पीड़ित किसान और काजी अकबर के दरबार में पेश हुए। जैसे ही रफूगर को बुलाने को आदेश हुआ, काजी के होश उड़ गये। डर के मारे उसने बता दिया कि थैली में सिक्के देख कर वह लालच में पड़ गया था और सिक्के निकाल कर उसने थैली में पत्थर भरे और उसे रफू करा कर पहले जैसा बना दिया। किसान को सिक्के मिल गये और काजी को जेल भेज दिया गया। हमारे इतिहास में बीरबल जैसी सूझ–बूझ रखने वाली शख्सियतें कम हुई हैं, जिसके चलते काजी जैसे लोग सारी बेईमानियों के बावजूद राज व्यवस्था के अभिन्न अंग बने रहे। बीच–बीच में लोगों को इंसाफ दिलाने के जहांगीर जैसे अजीबोगरीब प्रयोगों की भी कहानियां आती हैं।

कहते हैं कि जहांगीर रियाया की शिकायतें खुद सुना करते थे। उन्होंने आगरे के किले शाह बुर्ज और यमुना तट पर स्थित पत्थर के खंभे में फरियादियों की सुविधा के लिए चालीस गज लंबी सोने की जंजीर बंधवा कर उसमें साठ घंटियां लगवायी थीं। अन्याय से पीड़ित कोई भी व्यक्ति किसी भी समय न्याय की इस जंजीर को खींच कर गुहार लगा सकता था। बहरहाल, गुलामी के लंबे दौर के बाद हमने संविधान बना कर देश में सम्राटों व बादशाहों के बजाय कानून का शासन स्थापित करने का ऐलान किया और स्वतंत्र न्यायपालिका की दिशा में तेजी से कदम उठाना शुरू किया। यह उम्मीद बंधी कि अब हालात बदलेंगे और पीड़ितों को वास्तविक न्याय मिल सकेगा। न्याय की ऐसी प्रणाली स्थापित होगी, जिसमें न्याय होना ही नहीं, होता हुआ दिखना भी जरूरी माना जायेगा।

मराठी जनता से फिर से जुड़ने उद्धव-आदित्य ने कसी कमर

महाराष्ट्र में शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतश्त्व वाली सरकार को नाटकीय तख्तापलट और बड़े पैमाने पर पलायन के बाद अपदस्थ किए जाने को अब एक महीने से अधिक का समय हो गया है। इस तख्तापलट में नौ मंत्री भी शामिल थे। शिवसेना में कुछ ऐसा हो रहा था जिसके बारे में न तो तत्कालीन मुख्यमंत्री को, न ही उनके राजनेता–बेटे आदित्य या मुखर पार्टी प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को कोई जानकारी थी। आंतरिक असंतोष को यदि देखा भी गया होगा तो भी उसे स्पष्ट रूप से अनदेखा और अनसुना किया गया था।

अब बागी एकनाथ शिंदे के नेतश्त्व वाली शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी के पैबंद वाले नए गठबंधन को अलग किस्म के विवाद परेशान कर रहे हैं। भाजपा द्वारा निर्देशित और सहायता प्राप्त यह नया गठजोड़ आज असहज है। यह उन लोगों के दबावों से त्रस्त है जिन्होंने कई उम्मीदों और वादों के भरोसे पर पक्ष बदल दिया है, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होगा। इसका एक संकेत यह है कि नई सरकार के गठन के एक महीने बाद भी अभी तक मुख्यमंत्री शिंदे मंत्रिमंडल की घोषणा नहीं कर पाए हैं। 30 जून को जब शिंदे ने पदभार संभाला तभी से महाराष्ट्र को दो सदस्यीय माइक्रो कैबिनेट, सीएम के रूप में बागी शिवसैनिक एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री के रूप में भाजपा के देवेंद्र फडणवीस द्वारा चलाया जा रहा है। यह नया शक्ति संयोजन दबावों को संतुलित करता है और तय करेगा कि तख्तापलट के पुरस्कारों को कैसे वितरित किया जाए। कुछ अन्य असुवि‍ध ाजनक समायोजन भी हैं पर उनके लिए समय लग रहा है। उनमें से एक भाजपा के पास विधायकों की सबसे बड़ी संख्या का होना है। 288 सदस्यीय सदन में भाजपा के 106 सदस्य हैं। भाजपा जहां शिंदे को सहारा देना चाहती है वही उसका अंतिम लक्ष्य अपने लोगों और उनके सत्ता आधार का निर्माण करना है। इसलिए भाजपा को सत्ता में बड़ी हिस्सेदारी की तलाश होगी। इसके अलावा शिंदे गुट का समर्थन करने वाले 29 निर्दलीय वि‍ध ायकों को राजनीतिक पदों के साथ समायोजित करना असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर होगा। इसके केंद्र में नए मुख्यमंत्री की कमजोर राजनीतिक स्थिति है। उन्हें निश्चित रूप से भाजपा का पर्याप्त समर्थन है, लेकिन उनके पास अपने बारे में बताने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है जिसे वे राज्य के लोगों को बता सकते हैं। अन्य सभी प्रमुख खिलाड़ियों के भी अपने हित हैं। बीजेपी ने शिवसेना को बांटकर तोड़ दिया है। इसके पीछे भाजपा की एक श्हमने तो तुमसे कहा था वाली कहानी है। उन्होंने बाल ठाकरे के बेटे उद्धव को सबक सिखाने की बात कही थी और उन्होंने अपना संकल्प पूरा भी किया। अपदस्थ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यह कहानी बता रहे हैं कि कैसे जब वे अस्पताल में सर्जरी के बाद आराम कर रहे थे तब जिस पर उन्होंने भरोसा किया था उन एकनाथ शिंदे ने उनकी पीठ में छुरा घोंप दिया। उनका कहना है कि यह विद्रोह नहीं बल्कि विश्वासघात था जो सबसे खराब काम है। शिवसेना में आम तौर पर इस तरह की घटना नहीं होती। उद्धव ठाकरे के बेटे तथा पर्यावरण के मुद्दों पर अपना समर्थन देते हुए युवाओं और उदारवादियों का बहुत ध्यान आकर्षित करने वाले आदित्य ठाकरे के पास एक और कहानी है। उनकी कहानी नई पीढ़ी की गाथा है जो विनम्रता के साथ जनता के साथ जुड़ने और सीखने के लिए राज्य भर का दौरा कर रहे हैं। इस दौरे की प्रतिक्रियाएं जबरदस्त रही हैं– जिन्हें धोखा दिया गया उनका स्वागत करने के लिए लोग उमड़ रहे हैं। शिंदे एकमात्र व्यक्ति हैं जिसके पास अभी तक एक भी सशक्तकहानी नहीं है कि वह इस स्पष्ट आरोप से बच सकें कि उन्होंने भाजपा को अपना ईमान बेचकर मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल की है। सत्ता की इस दौड़ के विजेताओं के लिए बदतर तथ्य यह है कि भाजपा के स्थानीय नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी, जिनका तख्तापलट करने में स्पष्ट हाथ था, अंतिम समय में उपमुख्यमंत्री के रूप में नई सरकार में शामिल होने के लिए श्कहाश गया था। पहले फडणवीस ने मीडिया से कहा था कि वे सरकार से बाहर रहेंगे लेकिन बाद में शिंदे के डिप्टी के रूप में शामिल हो गए। वे पूर्व मुख्यमंत्री थे जिन्हें पदावनत कर उपमुख्यमंत्री बना दिया गया। पार्टी ने उन्हें ऐसा करने का निर्देश दिया। जो तस्वीर सामने आई उससे साफ नजर आ रहा था कि इस घटनाक्रम में नई दिल्ली शामिल थी जिसने महाराष्ट्र में नाच रही कठपुतलियों की डोर अपने हाथ में रखी थी। सत्ता परिवर्तन की इस घटना ने उस विचार को एक नयी ऊर्जा दी है जिस विचार पर शिवसेना का गठन किया गया था और पहली बार में ही उसने जनता के दिमाग में घर कर लिया था और यहां तक कि इसे लागू करने के लिए अपनाए गए हिंसक तरीकों के कारण शिवसेना पुलिस की नजरों में चढ़ गयी थी। यह विचार था श्भूमि पुत्रोंश के अ‍ि‍ध ाकारों की राजनीति का। शुरुआती दिनों में पार्टी ने महाराष्ट्रीय युवाओं को बैंकों, रेलवे, अन्य बड़े सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरियां दिलाने की मांग को लेकर आंदोलनों का नेतश्त्व किया। पार्टी ने बैंक शाखाओं में, कभी–कभी मुंबई में पश्चिमी क्षेत्र के मुख्यालय में, रेलवे भर्ती बोर्डों और अन्य के कार्यालयों में अनगिनत स्थानीय उग्र आंदोलन किए। शिवसेना मराठी युवाओं की नौकरियों के लिए लड़ रही थी। दूसरी ओर, शिवसेना आम आदमी के लिए भी संघर्ष कर रही थी– पानी के कनेक्शन को फिर से शुरू करने के लिए लड़ना, सड़कों को ठीक करना, यहां तक कि जब अन्य लोग सामान्य वस्तुएं और सामान ऊंची कीमतों पर बेच रहे थे तब वे चीजें पार्टी ने कम कीमत पर जनता को उपलब्ध कराई थीं। इस वजह से भाजपा नेता प्रमोद महाजन यह कहने के लिए मजबूर हुए थे कि शिवसेना सही चीजें गलत तरीके से करती है। शिवसेना में बगावत कोई नयी बात नहीं है। पार्टी ने बाल ठाकरे के सामने ही तीन बड़ी बगावतें देखी हैं। इनमें 2005 में बाल ठाकरे के जीवित रहने के समय ही उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे की बगावत भी शामिल है। पार्टी इस बड़े दिखने वाले झटके से भी बच गई। जिस तरह से ठाकरे ने अपने समर्थकों को संभाला उसके कारण यह एक मामूली सी बात बन कर रह गई। निधन से दो वर्ष पूर्व अपनी 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर पार्टी के अखबार सामना के संपादकीय में उन्होंने कहा था–श्मेरे पास राजनीति का रिमोट कंट्रोल है और रिमोट कंट्रोल मेरे पास रहेगा।श शिवाजी पार्क में उनके अंतिम संस्कार के समय शोकाकुल जनसमुदाय ने दिखाया था कि लोग उन्हें कितना प्यार करते थे।

शिवाजी पार्क में शिवसेना की पहली बड़ी रैली जून 1966 में आयोजित की गई थी। बाल ठाकरे द्वारा शिवसेना की स्थापना के तुरंत बाद से शिवाजी पार्क पार्टी के युद्ध का मैदान बन गया।

–लेखा रत्तनाणी

आज का राशिफल

मेष :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओ को सकार करने से पूर्व गहन सोच–विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। घर में खुशहाली रहेगी।

बृषभ :– सामाजिक संबंधों में ब्यस्तता बढ़ेगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

मिथुन :–सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य एवं नये कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरते।

कर्क :– नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

सिंह :– अपने पद एवं मर्यादा ख्याल रखते हुए उच्छश्ंखल मन को नियंत्रित करें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

कन्या :– कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :– निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनो के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

वृश्चिकः– नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य मिलेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में मन उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति खुश रखेगी।

धनु :– वाक्यपटुता एवं व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकर :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतरू इसमें सुधार लायें। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभ :– नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। घर–परिवार में वातावरण उत्साहित होगा।

मीन :– महत्वपूर्ण कार्य की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओ पर भरोसा रख महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अवसर प्रदान करेगी।

बिना चुनाव जीते कांग्रेस का कुछ नहीं होगा

सड़क के धरना प्रदर्शन तब असर डालते हैं जब वे जनता तक सही परिप्रेक्ष्य में पहुंचते हैं। लेकिन जैसा अभी दो दिन पहले राहुल गांधी ने महंगाई पर प्रदर्शन से पहले कहा कि इस मीडिया में हिम्मत नहीं है। सही बात है। मीडिया महंगाई, उससे पीड़ित लोग और उनके समर्थन में उठाई आवाज को दिखाने के बदले यह बता रहा था कि राहुल ने अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में किस अक्षर से शुरू होने वाले शब्द को सबसे ज्यादा बोला और किस को कम। मगर यह नहीं बता रहा कि राहुल कितनी बार मीडिया के सामने आए। खासतौर से इन दो– ढाई साल के सबसे संकट भरे कोरोना काल में। और इसका तो जिक्र भी नहीं कर सकता है कि किसने आठ साल में एक बार भी मीडिया का सामना नहीं किया।

मीडिया अपने पतन के निम्नतम स्तर पर है। कांग्रेस चाहे कितना ही बड़ा प्रदर्शन कर ले। उसकी नेता, महिला नेता प्रियंका गांधी को सड़क पर घसीटा जाए, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा के कपड़े फाड़े जाएं। राहुल को उन्हें बचाने के लिए जाना पड़े। यूथ कांग्रेस के अ‍ध्‍यक्ष बीवी श्रीनिवास के बाल खीचें जाएं, लात मारी जाए। कुछ हो जाए! मीडिया यही पूछता रहेगा कि विपक्ष कहां है? सड़क पर क्यों नहीं आता? जनता में यही नजरिया जाता है। पत्रकार तक जो दिन भर कांग्रेस के प्रदर्शन को कवर करते रहे शाम को घर जाते हुए जब कुछ खरीदते हैं और महंगा लगता है तो कहते हैं कि ये कांग्रेस कुछ करती क्यों नहीं? राहुल ने यही कहा। पहले भी कहते रहे हैं। यह मीडिया कायर है। अभी इसी अखबार ने लिखा और सही लिखा दलाल है। वह नहीं दिखाएगी। तो ऐसे में क्या हो? इन परिस्थितियों में खुद को चर्चा में लाने का एक ही तरीका है चुनाव जीतना। अभी स्थानीय निकायों के थे। मध्य प्रदेश में। कांग्रेस ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। महापौरों के डायरेक्ट हुए चुनाव में अगर ओवैसी और बीएसपी कांग्रेस के वोट काटकर भाजपा की मदद नहीं करते भाजपा और कांग्रेस दोनों की बराबर सीटें रहतीं। वहां 16 शहरों में महापौर है। पिछले चुनाव में सभी जगह भाजपा जीती थी। इस बार एक सीट पर बीएसपी और एक पर भाजपा

के नए साथी ओवैसी ने कांग्रेस के इतने वोट काटे कि उसी की वजह से भाजपा वह दो सीट भी जीत गई। अगर वह दो भाजपा हारती तो फिर कांग्रेस और भाजपा के बराबर रहते। सात–सात। अभी 9 भाजपा 5 कांग्रेस एक आप और एक निर्दलीय को मिली। तो इस जीत से मध्य प्रदेश में खलबली मच गई। मीडिया इन खबरों को रोक नहीं पाई। उसे अपना अस्तित्व बचाने के लिए इन खबरों को दिखाना और छापना पड़ा। और नतीजा जनता में खूब चर्चा शुरू हो गई। मीडिया चाहे जितना स्वामी भक्त हो जाए। मगर अभी देश में वह स्थिति नहीं आई है कि वह चुनाव के नतीजों के उलट नतीजे बताने लगे। वह रात के दिन, महंगाई को सस्ताई और चीन की घुसपैठ को कहां घुसा, कौन घुसा तो कहने लगा। मगर अभी जीते को हारा और हारे को जीता कहने की हिम्मत उसमें नहीं आई है। कभी आ भी सकती है। सरकार कहे हम पचास सीटें जीते, चुनाव आयोग कहे नहीं नहीं सर साठ और मीडिया कहे कि सत्तर से कम हैं ही नहीं। बचीं दस, उनका भी पता नहीं कि कौन जीता है। कहीं भाजपा ही जीती हो! मगर विपक्ष लोकतंत्र में होना चाहिए इसलिए उसने खुद ही दे दी हों। कुछ एंकर दान, दया शब्द का प्रयोग भी कर सकते हैं। लेकिन वह स्थिति आए इससे पहले कांग्रेस को कुछ चुनाव जीतना पड़ेंगे। कांग्रेस को इसलिए कि जीतने को तो ममता बनर्जी बंगाल, आम आदमी पार्टी पंजाब जीत गए मगर यह भाजपा की हार नहीं थी। भाजपा इन प्रदेशों में कभी रही ही नहीं। ऐसे ही तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना अन्य प्रदेशों में जहां बीजेपी का कभी कोई अस्तित्व ही नहीं रहा वहां उसकी हार उसके केन्द्र के चुनाव पर की विपरीत असर नहीं डालती है। उसे असर पड़ता है वहां जहां कांग्रेस से उसकी डायरेक्ट फाइट होती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक और अभी इस साल जहां चुनाव होना हैं हिमाचल और गुजरात। राजनीतिक माहौल यहां से बनता है। कांग्रेस और खासतौर से राहुल पता नहीं क्यों चुनावों के महत्व को ठीक से नहीं समझ रहे। लोकतंत्र में इसके अलावा और क्या चीज है जो आपको जनता में स्वीकृति दिलाती है? मगर राहुल का रवैया चुनावों और उसके नतीजों को लेकर बहुत कैजुअल है। उत्तराखंड और पंजाब इसी चलताऊ रवैये की वजह से हारे। इस साल हिमाचल और गुजरात के बाद अगले साल 9 राज्यों में चुनाव होना हैं। इन राज्य में भी चार राज्य बड़े राज्य वह हैं जहां कांग्रेस का भाजपा के साथ सीधा मुकाबला है। इस साल दो राज्यों के चुनाव के बाद फिर उन चार राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के चुनाव ही 2024 लोकसभा से पहले का माहौल बनाएंगे। दो इस साल के और चार अगले साल के राज्यों में राहुल किन नेताओं के जरिए चुनाव लड़ेंगे यह महत्वपूर्ण है। गुटबाजी पर अभी से सख्ती लगाना होगी। और ऐसे किसी नेता को चुनावी राज्य में नहीं रहने देना होगा जो अपने राज्य में गुटबाज नेता के तौर पर जाना जाता हो। अपने राज्य का चुनाव हरवाने में जिसकी बड़ी भूमिका हो वह दूसरे राज्य में क्या एकता करवा पाएगा और चुनाव जितवाएगा? राहुल को राज्यसभा चुनाव में भरमा दिया गया था। **– शकील अख्तर**

आजादी और भारत छोड़ो आंदोलन

आगामी 15 अगस्त को हमारी आजादी के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, जिसे पूरा देश आजादी के अमश्त महोत्सव के रूप में मना रहा है। यह देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह अवसर है, जब हम इतिहास का सिंहावलोकन करें और भविष्य का चिंतन करें। आजादी की लड़ाई में दो पड़ाव सबसे ज्यादा अहम हैं– पहला 1857 की क्रांति और दूसरा 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। यह आजादी के आंदोलन में सबसे बड़ा जन संघर्ष था। हमें यह याद रखना चाहिए कि यह आजादी बड़े संघर्षों के बाद मिली है। इसके लिए देश के लाखों वीर सपूतों ने अपनी जान न्योछावर की थी। आजादी की कीमत को हम सबको समझना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए। साथ ही, आजादी के लिए जान न्योछावर करने वाले सपूतों के प्रति कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। भारत छोड़ो आंदोलन के पांच साल बाद अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा था। इस आंदोलन की शुरुआत आठ अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी ने की थी। इस मौके पर उन्होंने देश को 'करो या मरो का नारा दिया था। गांधी ने स्पष्ट कर दिया था कि इस बार आंदोलन बंद नहीं होगा।

उस समय द्वितीय विश्वयुद्ध चल रहा था। भारत छोड़ो आंदोलन से ब्रितानी हुकूमत परेशान हो उठी थी और उसने क्रांतिकारियों पर काबू पाने के लिए देशव्यापी गिरफ्तारियां शुरू कर दीं। नौ अगस्त, 1942 को दिन निकलने से पहले ही बड़ी संख्या में क्रांतिकारी गिरफ्तार कर लिये गये और कांग्रेस को गैर कानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। महात्मा गांधी को नजरबंद कर दिया गया था। इस आंदोलन की तीव्रता का एहसास इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें 940 लोग मारे गये थे और 60 हजार से अधिक लोगों ने गिरफ्तारियां दीं थीं। महात्मा गांधी की गिरफ्तारी के बाद तो जनता सड़कों पर उतर आयी। एक और अहम बात यह थी कि इस आंदोलन का नेतृत्व युवा क्रांतिकारियों ने किया। मजदूर हड़ताल पर चले गये और सरकारी कर्मचारियों ने भी काम करना बंद कर दिया। स्वाधीनता आंदोलन का यह सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव था। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही डॉ राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और अरुणा आसफ अली जैसे नेता उभर कर सामने आये। हालांकि इस आंदोलन को आंशिक सफलता ही मिली, लेकिन इस आंदोलन ने देश को एक सूत्र में बांध दिया और अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। अंततरू ब्रिटिश सरकार झुकी और वह सत्ता का हस्तांतरण करने पर राजी हो गयी। अमृत महोत्सव के मौके पर हमें यह याद रखना चाहिए कि अंग्रेजी हुकूमत के अमानवीय दमन के बावजूद लाखों लोगों के बलिदान से ही हमें आजादी मिल पायी है। आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च, 2021 को साबरमती आश्रम से की थी। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च, 1930 को महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी की ऊर्जा का अमृत, स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणाओं का अमृत, नये विचारों का अमृत, नये संकल्पों का अमृत और आत्मनिर्भरता का अमृत है। अंग्रेजी शासनकाल में भारतीयों को नमक बनाने का अधिकार नहीं था। उन्हें इंग्लैंड से आने वाले नमक का ही इस्तेमाल करना पड़ता था। महात्मा गांधी ने इस मसले को जन–जन का आंदोलन बनाया था। यह गांधी के विचारों की ताकत ही है कि उनके विचार आज भी जिंदा है। देश व दुनिया में बड़ी संख्या में लोग आज भी उनके विचारों से प्रेरणा लेते हैं। कुछ समय से व्हाट्सएप के ज्ञान के आधार पर कुछ लोग महात्मा गां‍ध‍ी पर सवाल खड़े करने लगते हैं, जबकि यह अवसर है गांधी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करने का। गांधी से असहमतियां हो सकती हैं, लेकिन उनमें इतनी खूबियां हैं कि केवल असहमतियों अथवा कमियों का सहारा लेकर उन्हें खारिज कर देने से हम उनकी विरासत को नष्ट कर देंगे। गांधी के आलोचक अक्सर तथ्यों की परवाह नहीं करते हैं। ऐसे आलोचकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जिसकी जानकारी का स्रोत व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी है। ऐसे लोग असत्य जानकारियों के आ‍ध‍ार पर महात्मा गांधी के बारे में अपनी धारणा बनाते हैं। ऐसी तथ्यहीन व झूठी जानकारियां अब सोशल मीडिया में बड़े पैमाने पर उपलब्ध हैं। सार्वजनिक जीवन वाले हर शख्स का कठोर मूल्यांकन होता रहा है। महात्मा गांधी भी इससे अछूते नहीं रहे हैं और उनके जीवन का लगातार आकलन होता रहा है। किसी भी व्यक्ति की सभी मुद्दों पर राय अथवा फैसले सौ फीसदी सही नहीं हो सकते हैं, लेकिन उसके पीछे उनकी मंशा को जानना भी जरूरी है। ऐसे भी लोग हैं, जो गांधी को आज के दौर में आप्रसंगिक मान बैठे हैं। वे तर्क देते हैं कि गांधी एक विशेष कालखंड की उपज थे, लेकिन जीवन का कोई ऐसा विषय नहीं है, सामाजिक व्यवस्था का कोई ऐसा प्रश्न नहीं है, जिस पर महात्मा गांधी ने प्रयोग न किये हों और हल निकालने का प्रयास न किया हो। उनके पास अहिंसा, सत्याग्रह और स्वराज नामक तीन हथियार थे। सत्याग्रह और अहिंसा के उनके सिद्धांतों ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों को अपने अधिकारों और अपनी मुक्ति के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। सबसे बड़ी बात यह है कि गांधी अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करते थे। एक बार वह तय कर लेते थे, तो वह उससे पीछे नहीं हटते थे। विपरीत परिस्थितियां भी गांधी को उनके सिद्धांतों से नहीं डिगा पायीं। गीता ने गांधीजी को सबसे अधिक प्रभावित किया था। गीता के दो शब्दों ने को गांधीजी ने आत्मसात कर लिया था। इसमें एक था– अपरिग्रह, जिसका अर्थ है मनुष्य को अपने आध्यात्मिक जीवन को बाधित करने वाली भौतिक वस्तुओं का त्याग कर देना चाहिए। दूसरा शब्द है समभाव। इसका अर्थ है दुख–सुख, जीत–हार, सब में एक समान भाव रखना, उससे प्रभावित नहीं होना। दो अक्तूबर, 1944 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर जाने माने वैज्ञानिक आइंस्टीन ने अपने संदेश में कहा था– आने वाली नस्लें शायद मुश्किल से ही विश्वास करेंगी कि हाड़ मांस से बना हुआ कोई ऐसा व्यक्ति भी धरती पर चलता फिरता था। यह वाक्य गांधी को जानने–समझने के काफी है। जो बातें और रास्ता समाज के विकास के लिए महात्मा गांधी दिखा गये हैं, उनमें से जो हमें अनुकूल लगे, उसका अनुसरण करें। गांधी और आजादी की लड़ाई में अपना संपूर्ण न्योछावर करने वाले देश के वीर सपूतों को हमारी यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।**– आशुतोष चतुर्वेदी**

संघ परिवार ने तिरंगे का सम्मान कब किया?

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर शासक पार्टी भाजपा की तरफ से असाधारण पहलकदमियां देखने में आ रही हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शन करने के लिए वह जोर–शोर से कोशिशें कर रहे हैं। भारत के इतिहास की जरा–सी भी समझ रखने वाला हरेक व्यक्ति जानता है कि भाजपा के मातृ–संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या उससे जुड़े किसी संगठन की स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं रही। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आरएसएस के सिद्धांत के लिए प्रतिबद्ध तमाम ताकतों ने स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय संघर्ष से अपने आपको दूर रखा। उन्होंने उसे एक राजनीतिक कवायद का नाम दिया जो उनके सांस्कृतिक संगठन के लिए कोई सरोकार नहीं रखता था। वे राष्ट्रीय ध्वज को छूते तक नहीं थे। स्वतंत्रता के झंडे–तिरंगे ने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान जो जन उभार पैदा किया था और इस झंडे को हाथ में उठाकर जब जनसमूह निकला करते थे तो उनमें आरएसएस और उसके अनुयायी कभी नहीं देखे गए। स्वतंत्रता के दशकों बाद भी अपने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के हितों के प्रति समर्थक दृष्टिकोण के बारे में उन्होंने कभी कोई फिक्र नहीं की। जब देश की समूची आबादी ने 15 अगस्त 1947 को आजादी का उत्सव मनाया और तिरंगा फहराया, तो वह उससे दूर रहे। स्वतंत्रता के बाद 52 वर्षों तक आरएसएस–भाजपा ने कहीं भी अपने कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज को नहीं फहराया। इस संबंध में उनकी अपनी अजीबोगरीब व्याख्या थी। अब उनमें एक नई समझ आ गई है और लगता है कि आरएसएस और भाजपा राष्ट्रीय झंडे का उत्सव मनाने के लिए अति–उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने स्वयं जनता से अपील की है कि 13 अगस्त से ही स्वतंत्रता दिवस उत्सव मनाना शुरू कर दें। 22 जुलाई को उन्होंने यह बताने में बड़ी दिलचस्पी ली कि इसी तारीख को 1947 में तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के तौर पर मंजूर किया गया था। प्रधानमंत्री ने तमाम भारतीयों से चाहा कि हरेक घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहरायें। राष्ट्रीय ध्वज का उत्सव मनाने के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम बनाए।

तिरंगे झंडे को बड़ी संख्या में बनाने के लिए भारत की ध्वज संहिता में उपयुक्त संशोधन किया गया। रिपोर्ट है कि भारतीय झंडे की सुचारू उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए बड़ी मात्रा में पोलिएस्टर कपड़े का चीन से आयात किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी साबितशुदा महारत भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक नया इतिहास लिखने की दिशा में काम कर रही है। इतिहास के पुनर्लेखन का मतलब वास्तविक तथ्यों को छुपाना और भाजपा की पसंद के एक नये इतिहास को शानदार तरीके से पेश करना है। जब स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तीन रंग के झंडे को राष्ट्रीय सम्मान के प्रतीक के तौर पर अपनाया, तिरंगे ने उसी समय से, 1931 से ही भारत के दिल में जगह बना ली थी। आरएसएस के संस्थापक नेताओं ने शुरू से ही तिरंगे पर आरएसएस की आपत्तियां उठाना शुरू कर दिया था। हेडगेवार और गोलवलकर ने राष्ट्रीय ध्वज के खिलाफ आरएसएस के निंदा–अभियान की अगुआई की। वे भगवा झंडे की वकालत कर रहे थे जिसके मध्य में श्श्ओमश्श लिखा हो। उनकी दलील थी कि उनका झंडा भारतीय सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतिनिधित्व करता है। उनके अनुसार, भगवा झंडा, जो महाभारत के समय से ही भारत के मंदिरों में फहराया जाता रहा है, वही देश के लिए स्वाभाविक झंडा होना चाहिए। जनवरी 1931 में जब कांग्रेस ने तिरंगा फ हराने की अपील की तो आरएसएस खुलकर उसके विरोध में आया। पहले सरसंघ संचालक हेडगेवार ने सभी शाखाओं को तिरंगे के बजाय भगवा झंडा फ हराने का निर्देश जारी किया। अपने पूरे इतिहास में आरएसएस राष्ट्रीय आंदोलन के संबंध में अपना एक समानान्तर दृष्टिकोण रखता आया है और राष्ट्रीय ध्वज के संबंध में उनका मतभेद उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। 14 जुलाई 1946 को नागपुर में स्वयंसेवकों के एक सम्मेलन में गोलवलकर ने आह्वान कियारू यह भगवा झंडा ही है जो समग्रता में भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह भगवान का मूर्तरूप है। हमारा पक्का विश्वास है कि अंत में पूरा राष्ट्र राष्ट्रीय ध्वज के सामने सम्मान से सिर झुकाऐगा। अपनी पुस्तक विचार नवनीत बंच ऑफ थॉट्स में शामिल शाश्वत आधार नामक लेख में उन्होंने लिखा है–उदाहरण के लिए हमारे नेताओं ने हमारे देश के लिए एक नया झंडा तय किया है। ऐसा उन्होंने क्यों किया? यह महज भटक जाने और नकल करने का मामला है।कृ यह झंडा किस तरह अस्तित्व में आया। फ्रांस की क्रांति के दौरान फ्रांसीसियों ने समानता, बंधुत्व और स्वतंत्रता के तीन विचारों को व्यक्त करने के लिए अपने झंडे पर तीन रंग की पट्टियां लगाई थीकृअतः हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के लिए भी तीन पट्टियां एक किस्म का सम्मोहन रखती हैं।कृ अतरू कांग्रेस ने उसे अपना लिया। फिर इसकी व्याख्या तीन समुदायों–हिन्दुओं के लिए भगवा रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग और अन्य सभी समुदायों के लिए सफेद रंग–की एकता को प्रदर्शित करने के तौर पर की गई। गैर–हिन्दू समुदायों में से, मुस्लिमों का खास तौर पर नाम लिया गया क्योंकि प्रख्यात नेताओं में से अधिकांश के दिमाग में मुस्लिम हावी था और उसका नाम लिए बगैर वे नहीं समझते कि हमारी राष्ट्रीयता पूर्ण हो सकती है।**–बिनय विश्वम**

स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाये जाने के सम्बन्ध में मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को जारी किये निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2022 मनाये जाने के सम्बन्ध में मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र द्वारा समस्त जिलाधिकारियों को दिशा–निर्देश निर्गत किये गये हैं। अपने निर्देशों में उन्होंने कहा है कि हमारे देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाने वाला 76वां स्वाधीनता दिवस समारोह परम्परागत रूप से सादगी परन्तु आकर्षक ढंग से मनाया जाये। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूरे वर्ष भर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम पूरे देश में गरिमामय ढंग से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर दिनांक 11 से 17 अगस्त, 2022 तक 'स्वतंत्रता सप्ताह' एवं दिनांक 13 से 15 अगस्त, 2022 तक 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना तथा स्वतंत्रता के

प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव जगाना है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को प्रातः 08:00 बजे सरकारी तथा गैर–सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए तथा झण्डा–अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन हो। राष्ट्रीय ध्वज में पुष्पों की पंखुड़ियां बांध कर उसे फहराया जा सकता है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इस महत्वपूर्ण आयोजन हेतु 15 अगस्त को समस्त सरकारी,गैर सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, वाणिज्यिकध्औद्योगिक प्रतिष्ठान आदि खुले रहेंगे तथा इन स्थलों पर खादी निर्मित राष्ट्रध्वज सम्मानपूर्वक फहराया जाए। उक्त सभी स्थलों पर इस राष्ट्रीय पर्व को उत्साह, उल्लास एवं उमंग के साथ समारोह पूर्वक आयोजित किया जाए, जिसमें राष्ट्रगान के साथ ही देशभक्ति से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम सम्मिलित हों। इन कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीयता एवं देश प्रेम की भावना का संचार किया जाए। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, पंथ–निरपेक्षता एवं साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना को बलवती बनाने पर जोर दिया जाये तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित करने के साथ–साथ लोगों की परम्परागत एकता प्रदर्शित करने के लिए मानव–श्रंखला बनाने पर भी विचार किया जाए। सभी विद्यालयों, मुहल्लों से प्रभात फेरियाँ निकाली जाएं जिसमें झण्डा गीत एवं अन्य राष्ट्रभक्ति के गीतों का गायन किया जाए। इसके अतिरिक्त समस्त शिक्षण संस्थाओं में इस अवसर पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये, जिसमें राष्ट्रगान 'जन–गण–मन' का सामूहिक गायन भी सम्मिलित हो। विद्यार्थियों को स्वतंत्रता–संग्राम का इतिहास बताया जाये तथा देश के लिए शहीद हुए ज्ञात–अज्ञात विशेषकर स्थानीय देशभक्तों के जीवन के प्रेरक–प्रसंग दोहराये जायें, जिससे उनमें राष्ट्रीय चेतना जागृत हो।

किसानों को उर्वरक पूर्ति हेतु सहकारिता विभाग ने की है अग्रिम व्यवस्था

लखनऊ। प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के साथ–साथ उन्हें आसानी से फसली ऋण उपलब्ध कराने, कृषि पंजीकरण एवं रोजगार परक योजनाओं के अन्तर्गत बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग निरन्तर कार्य कर रहा है। कृषकों को सस्ती दरों पर फसली ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022–23 के बजट में 300 करोड़ रूपये के ब्याज अनुदान की धनराशि आवंटित की है। कृषि पंजीकरण एवं रोजगार परक योजनाओं के अन्तर्गत 112.00 करोड़ रूपये का दीर्घकालीन ऋण वितरित किया गया है। प्रदेश सरकार ने किसानों को उर्वरक की समस्या न हो, इसके लिए उर्वरकों के अग्रिम भण्डारण हेतु 2022–23 के लिए 150.00 करोड़ रूपये की धनराशि आवंटित की है। प्रदेश में फास्फेटिक एवं यूरिया उर्वरकों की क्रमशरू 4.35 लाख मी0टन एवं 7.84 लाख मी0टन उर्वरकों को भण्डारित कर लिया गया है। जिससे किसानों को समय पर उर्वरकों की व्यवस्था सुलभ हो सकेगी।

यूपी में हाईस्कूल-इंटर के छात्रों को हुनरमंद बनाएगी सरकार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हाईस्कूल–इंटर तक की पढ़ाई करते ही छात्रों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिया है। इसके लिए सरकार प्रवीण योजना लेकर आई है, जिसके क्रियान्वयन में आने वाले दिनों में खासी तेजी देखने को मिलेगी। योगी सरकार का पूरा जोर रोजगार परक शिक्षा तथा कौशल विकास की योजनाओं पर है। शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मिशन के साझा प्रयास से प्रदेश में एक अनोखी योजना की परिकल्पना की गई है। इसका नाम प्रवीण रखा गया है, जिसमें कौशल विकास मिशन के सर्टिफिकेट कोर्सेस को माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई के समय में ही संचालित किया जा रहा है, जिससे यदि कोई छात्र कक्षा 10 या कक्षा 12 के बाद पढ़ाई नहीं करता है तो भी उसके पास रोजगार के लिये एक सर्टिफाइड कौशल उपलब्ध होगा। प्रवीण योजना के अंतर्गत राजकीय स्कूलों के विद्यार्थियों में वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से जॉब रेडी स्किल्स डेवलप किया जाएगा। इसमें हर कार्यदिवस में स्कूल टाइम के दौरान में निःशुल्क सर्टिफिकेशन कोर्स संचालित किया जाएगा। कौशल विकास मिशन के डायरेक्टर आंद्रा वामसी के अनुसार, सरकार की ओर से छात्र–छात्राओं को 11 विभिन्न ट्रेडों की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी एंड वेलनेस, ओडीओपी, रिटेल, ऑटोमोबाइल सहित कई रोजगारपरक विषय शामिल हैं। ट्रेनिंग पूरी होने पर

विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिये कुल 150 विद्यालयों को चुना गया है। इसमें प्रत्येक जिले में 2 स्कूलों का चयन होगा, जिसमें एक हायर सेकेंड्री ब्वॉयस स्कूल और एक हायर सेकेंड्री गर्ल्स स्कूल होगा। 2022–23 में सरकार का लक्ष्य कक्षा 9 से 12 तक के 21 हजार छात्र–छात्राओं को स्किल्ड बनाने का है।

हर्षोल्लास से मनाया डा. भारती गाँधी का जन्मदिन

लखनऊ। प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सिटी मोन्टेसरी स्कूल की संस्थापिका–निदेशिका डा. (श्रीमती) भारती गाँधी का जन्मदिवस आज बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आध्यात्मिकता व ईश्वरीय एकता के सद्भावना पूर्ण माहौल में मनाया गया।

इस विशेष समारोह में सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी, सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन, डा. सुनीता गाँधी, विनय गाँधी, मोना गाँधी, सी.एम.एस. के क्वालिटी अश्योरेन्स एवं इनोवेशन विभाग की हेड सुष्मिता घोष, विद्यालय के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा, विभिन्न कैम्पस की प्रधानाचार्याओं, शिक्षकों समेत बड़ी संख्या में सी.एम.एस. कार्यकर्ताओं व अन्य प्रमुख हस्तियों ने डा. भारती गाँधी की दीर्घायु की कामना करते हुए उनसे जुड़ी यादें साझा की। इसके अलावा, आज दिन भर डा. भारती गाँधी को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। सी.एम.एस. के विभिन्न कैम्पस में अध्ययनरत 60000 छात्रों ने भी अपने–अपने विद्यालय प्रांगण में अपनी आध्यात्मिक अभिभावक एवं प्रेरणास्रोत डा. गाँधी का जन्मदिन मनाया और बधाई कार्ड बनाकर अपनी भावनाओं को उकेरा। प्रधान कार्यालय व सी.एम.एस. गोमती नगर ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए डा. भारती गाँधी ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि सी.एम.एस. के सभी कार्यकर्ता, शिक्षक व छात्र बड़े मनोयोग से एक ऐसे विश्व के नवनिर्माण में जुटे हैं जिसमें आध्यात्मिकता एवं चारित्रिक उत्कृष्टता की भावना समाहित है।

फैजुल्लागंज में फिर मिला मंकीपॉक्स का संदिग्ध केस, 5 साल के बच्चे में दिखे संदिग्ध लक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज में संक्रामक रोगों का प्रकोप जारी है। इस बीच 5 साल के बच्चे में मंकीपॉक्स जैसे लक्षण मिलने के बाद सोमवार को जांच के लिए सैंपल केजीएमसी भेजा गया है। सोमवार सुबह ही सीएमओ ऑफिस से मेडिकल टीम फैजुल्लागंज के संस्कृतपुरम पहुंची। बच्चे का हाल चाल लिया। एक्सपर्ट्स ने रेशेज देखकर मंकीपॉक्स नहीं चिकनपॉक्स यानी चेचक की आशंका जताई। हालांकि सैंपल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ ठोस कहने की बात कही। लखनऊ के डिप्टी सीएमओ डॉ. मिलिंद वर्धन ने बताया कि 2 डॉक्टर्स की अगुवाई में मेडिकल टीम ने इलाके का दौरा किया। बच्चे और उसके परिजनों से भी मुलाकात हुई। कोई घबराने वाली बात नहीं, बच्चे में जो लक्षण दिख रहे हैं वह मंकीपॉक्स जैसे नहीं चेचक जैसे नजर आ रहे हैं। सैंपल कलेक्ट कर के जांच के लिए लैब भेजे जा रहे हैं। जुलाई में अचानक से सुल्तानपुर रोड के

अहिमामऊ समेत इससे सटे इलाकों में भी चेचक के कई मामले सामने आए थे। यहां एकाएक तेजी से संक्रमितों की संख्या बढ़ी थी, शुरुआत में स्वास्थ्य महकमे द्वारा लापरवाही दिखाई गई, लेकिन हालात बिगड़ने पर टीम की तैनाती हुई। हालांकि मेडिकल टीम की मौजूदगी का असर दिखा और नए चेचक के मामले आने बंद हो गए। वहीं फैजुल्लागंज में लगातार संक्रामक रोगों की चपेट में लोग आ रहे हैं। कालरा और डायरिया के बाद अब यहां चेचक के फैलने की आशंका है। दूषित पेयजल के कारण ही सबसे पहले लोग बीमार पड़ना शुरू हुए थे। इस बीच तमाम प्रयासों के बावजूद यहां के हालात सामान्य होते नहीं दिख रहे। यूपी में अब तक कुल 10 सैंपल मंकीपॉक्स की जांच के लिए लैब भेजे जा चुके हैं। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी भी सैंपल की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आई है। अब मंकीपॉक्स की जांच केजीएमयू में ही शुरु हो चुकी है।

48 दीपों से ऋषभदेव की हुई महाआराधना

लखनऊ। आचार्य श्री दयासागर के सानिध्य मे इन्दिरानगर जैन मंदिर मे सोमवार को भगवान ऋषभदेव की 48 दीपकों और संगीत लहरी के साथ भक्तामर पाठ करते हुये भगवान का आराधन कि गई। आचार्य श्री ने बताया की श्रावण मास के शुक्ल पक्ष मे भगवान की आराधना करने से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया की मन्दिर मे आचार्य श्री के चातुर्मास मे भक्तों का मेला लगा हुआ है। आसाम, बंगाल, बिहार, दिल्ली आदि से लगातार दर्शनार्थ पधार रहे हैं।

इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष अनूप जैन ने सर्वप्रथम दीपक प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशेष रूप से मनोज जैन, अनुरोध जैन, धीरज जैन, सुदीप जैन,रीना जैन, अरिंजय जैन उपस्थित रहे। अभिषेक जैन ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व की तयारिया की जा रही हैं।

आईटीआई के कर्मचारियों ने काला फीता बांध कर दर्ज कराया विरोध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संघ के आवाहन पर आज दिनांक– *08।08।2022* को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज, लखनऊ के समस्त अनुदेशक, कार्यदेशकों ने काला फीता बांध कर निम्न समस्याओं के निस्तारण न किये जाने के कारण विरोध दर्ज कराया। वर्ष–2016 मे नियुक्त अनुदेशकों की अवरुद्ध हुई वार्षिक वेतनवर्द्धि का अवमुक्त कराया जाना। कार्मिक अनुभाग–4 के पत्रांक– संख्या– *11।2022। 363* दृसामान्य,सैंतालीस का –4 –2022 –1 /3 /96 दिनांक– 15 जून, 2022 मे दिये प्रावधानों के अनुरूप अनुदेशक संवर्ग के बहुत से कार्मिकों का स्थानांतरण नही किया गया है। अतः वार्षिक स्थानांतरण नीति 2022–23 की समयावधि बढाते हुए शासनादेश से आच्छदित हो रहे जरुरतमंद कार्मिकों का स्थानांतरण किया जाना। अनुदेशक से कार्यदेशक के पद पर पदोन्नति प्रदान कराया जाना।

कार्यदेशक से प्रधानाचार्य श्रेणी–02 के पद पर पदोन्नति प्रदान कराया जाना। "समान कार्य, समान वेतन" अनुच्छेद 39(क) के आधार पर अतिथि वक्ताओं का मानदेय निर्धारण कराया जाना। वर्ष–2016 मे नियुक्त अनुदेशकों को सम्मिलित करते हुए अनुदेशकों की वरिष्ठता सूची जारी कराया जाना। रिक्त स्थाई पदों के सापेक्ष अनुदेशकों का स्थायीकरण कराया जाना। विभाग मे कार्यरत महिला कार्मिकों को बेपसक बंतम स्मंअम तथा डंजमतदपजल स्मंअम स्वीकृत किये जाने सम्बंधित स्पष्ट दिशानिर्देश जारी कराया जाना। अखिल भारतीय प्रयोगात्मक परीक्षा मे पर्यवेक्षक ड्युटी तथा सीबीटी परीक्षा मे कक्ष निरीक्षक के रूप मे तैनात कार्मिकों के पारिश्रमिक का भुगतान कराया जाना।

उपरोक्त सभी समस्याओं से संघ निदेशालय को पत्रों एवं वार्ताओं के माध्यम से अवगत कराता रहा है परंतु निदेशालय द्वारा कोई ठोस कदम न उठाये जाने के कारण कर्मचारियों मे अत्यंत निराशा व्याप्त है। संघ के सभी सदस्यों ने यह निर्णय लिया है कि यदि शीघ्र उपरोक्त न्यायोचित मांगों ध समस्याओं का निस्तारण तथा वार्षिक स्थानांतरण नीति 2022–23 की समयावधि बढाते हुए शासनादेश से आच्छादित हो रहे जरुरतमंद कार्मिकों का स्थानांतरण किये जाने सम्बंधित निर्णय नही लिया जाता है तो संघ के पदाधिकारी ध सदस्य लखनऊ स्तिथ मुख्यालय के प्रांगण मे दिनांक– 26.08.2022 को सत्याग्रह (अनशन) करने के लिये बाध्य होंगे। इस कार्यक्रम मे संघ की जिला शाखा– अलीगंज, लखनऊ मे कार्यरत रजनीश अरोड़ा (प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष), शिव चंदराम (प्रांतीय कोषाध्यक्ष), विवेक कुमार (महामंत्री), रवि सिंह, दिग्विजय कुमार यादव, रोहित वर्मा, सुमंत कुमार गौतम, विजय शंकर पटेल अनुराग उमराव, व अन्य साथियों ने प्रतिभाग कर अपने विचार रखे।

पशुपालन विभाग की महिला अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने किया सावन संगीत समारोह का आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। पशुपालन विभाग, एवं पशुधन विकास परिषद की महिला अधिकारियों एवं सहकर्मियों द्वारा सावन संगीत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 52 महिलाओं द्वारा शिव स्तुति, शिव चर्चा के साथ–साथ सावन संगीत एवं नश्त्य का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 नीलम बाला, अध्यक्षा महिला विंग, पशुपालन विभाग उप निदेशक, पशुपालन विभाग एवं संचालन डा0 वीनू पाण्डेय, पशु चिकित्साधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित के रूप में डा0 सरस्वती शुक्ला, पशु चिकित्साधिकारी, डा0 वंदना राय पशु चिकित्साधिकारी एंव विशिष्ठ आमंत्री आशा सिंह, पत्नी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद, श्रीमती निधि वर्मा एवं सरिता वर्मा, सूचना अधिकारी, सूचना विभाग, उ0प्र0 द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर कैट वाक का आयोजन भी किया गया। सफल प्रतिभागियों को विशेष आंमत्री एवं अध्

यक्ष द्वारा पुरस्कार से नवाजा गया। पशुपालन विभाग, उ0प्र0 एवं उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद की महिला अधिकारियों एवं सहकर्मियों द्वारा भारत देश की परम्परागत नीति विचारों समाज में महिलाओं का योगदान एवं एक सफल एवं सुसंस्कृत समाज की परिकल्पना हेतु महादेव एवं पार्वति माता से याचना की। इस अवसर पर गरीब परिवारों के बच्चों को चिन्हित कर उन्हें साक्षर करने स्कूल भेजने का कार्यक्रम कराने एवं उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद द्वारा जनपद लखनऊ या समीपवर्ति जनपद बाराबंकी में पशुधन अधिक्य एक ग्राम को गोद ले कर पशुधन के आयामों से सर्वांगीण विकास हेतु संकल्प लिया गया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा तथा देश एवं प्रदेश सरकार की संकल्पना सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास को साकार करने हेतु भी संकल्प लिया गया।

नेताजी की प्रपौत्री नही कर पाई ज्ञानवापी मंदिर में पूजा

लखनऊ। नेताजी बोस की प्रपोत्री राजश्री कल हिन्दू संघटन के बुलावे पर प्रयागराज आयी थी, उन्हें पुलिस लाइन में नजरबंद कर दिया गया है। राजश्री हिन्दू संघठन द्वारा बुलावे पर वाराणसी से ट्रैन से प्रयागराज आयी थी। उन्हें सोमवार को पूजा अर्चना करनी थी, पुलिस ने उन्हें शांति भांग होने की आशंका के चलते नजरबंद कर दिया जिससे अब वो ज्ञानवापी में पूजा नहीं कर पाएंगी। गेस्ट हाउस के बाहर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध है। किसी को भी उनसे मिलने इजाजत नहीं है। राजश्री को रविवार में प्रयागराज की पुलिस लाइन में नजरबंद किया गया है। पुलिस के अनुसार ज्ञानवापी मंदिर परिसर में उनके पूजा अर्चना करने से शांतिभंग होने के आसार है. इसीलिए उन्हें महिला पुलिसकर्मियों द्वारा रविवार को 12.08 मिनट पर ट्रैन से उतर लिया गया था। राजश्री के खाने पीने की सारी व्यवस्थाएं कर दी। उन्हें इसकी जानकारी थी की उन्हें क्यों उतरा जा रहा है।

निर्दोष व गरीबों की सहायत करना ही हजरत हुसैन को सच्ची श्रद्धांजलि : खालिद रशीद

लखनऊ। इस्लाम एक मुकम्मल दीन है और जिन्दगी गुजारने का इस में एक पूणतः निजाम पेश किया गया है और कयामत तक के लिए इस निजाम को खुदा पाक की तरफ से लागू किया गया है। मुहम्मद साहब की राहनुमाई में सहाबाक्राम रजि0 ने इसी जिन्दगी के निजाम को अपनी जिन्दगी में

जारी किया और पूरी तरह से उसको कुबूल किया जिसके परिणाम में एक नेक और अच्छा इस्लामी समाज बना। इन विचारों को इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने प्रकट किया वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के तत्वाधान में होने वाले दस दिवसीय जलसाहाय ''शुहादाये दीने हक व इस्लाहे मुआशरह'' के अर्न्तगत जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में नवें जलसे को सम्बोधित कर रहे थे। मौलाना ने कहा कि कुरान में आया है कि अल्लाह के निकट एक बेगुनाह आदमी का खून करना पूरी मानवता का खून करना है और एक आदमी की जान बचाने वाला पूरनी मानवता की जान बचाने वाला समझा जायेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग धरती पर बिगाड़ मचाते है वह खुदा पाक और उसके रसूल के बागी हैं। और उनकी गतिविधियाँ सहाबाक्राम और बुजुर्गो की शिक्षा के बिल्कुल विरूद्ध है। उन्होने कहा कि निर्दोषों, बेवाओं और यतीमों की मदद व सहायता करना ही हजरत हुसैन को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। जलसे का आरम्भ दारूल उलूम फरंगी महल के अध्यापक कारी कमरूद्दीन की तिलावत कलाम पाक से हुआ। जलसा मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की दुआ पर समाप्त हुआ।

भाषा विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा तथा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में आज 08 अगस्त को आजादी के 75 वें अमश्त महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम मे तिरंगा यात्रा तथा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो एनबी सिंह के नेतश्त्व में किया गया। तिरंगा यात्रा के आयोजन में महिला अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट, अधिष्ठाता, और छात्र कल्याण

के द्वारा प्रतिभाग किया गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो एनबी सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा ही भारत को स्वच्छ, समश्द्ध एवं शक्तिशाली बना सकते हैं। कार्यक्रम को शैक्षणिक भवन के सभागार से प्रारंभ किया गया जिसमें महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक, डॉ नलिनी मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम चौधरी, एनसीसी एएनओ डॉ (ले) बुशरा अलवेरा और सहायक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. शचीन्द्र शेखर के नेतश्त्व में सभी विद्यार्थियों ने और स्वयंसेवकों ने तिरंगा यात्रा में भाग लेकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शहादत को याद किया।

जन समस्याओं का किया जाए त्वरित निस्तारण : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान अपनी–अपनी समस्याओं को लेकर आये जन सामान्य से स्वयं आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याओं को पूछा तथा आश्वस्त किया कि आपकी समस्या निस्तारण को, हर सम्भव प्रयास करके निराकरण कराया जायेगा, जिससे आप लोगों को बार–बार न दौड़ना पड़े। उन्होंने कहा कि आप लोग अपने क्षेत्रान्तर्गत होने वाले समाधान दिवस में उपस्थित होकर अपना आवेदन देते हुए समस्या से अवगत करायें, जिससे आपको दूर तक नहीं दौड़ना पड़ेगा और आपकी समस्या का शीघ्रता के साथ नियमानुसार निस्तारण भी किया जायेगा। श्री मौर्य ने पत्रों का संज्ञान लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उनका नियमानुसार निर्धारित अवधि में निस्तारण करायें, जिससे किसी भी फरियादी को बेवजह

परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि समस्या का निदान सही और पारदर्शिता के साथ हो, जिससे किसी प्रकार की कोई पुनः शिकायत प्राप्त होने की सम्भावना न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी को भी एक ही समस्या के लिए बार–बार आवेदन न देना पड़े, इसलिए समस्या का निदान समय से किया जाय। जनता दर्शन में राजस्व, आवास आवंटन, स्वास्थ्य, विकास, आदि विभिन्न विभागों के प्रकरण रहे। जनता दर्शन में फरियादियों की भारी भीड़ रही। उप मुख्यमंत्री ने एक–एक समस्याग्रस्त व्यक्ति से सीधे संवाद करते हुते समस्याएं सुनी।

कई मामलों में उन्होंने जिलाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता भी की। जनता दर्शन में अलीगढ़, प्रतापगढ़, ललितपुर, हरदोई, मुजफ्फरनगर, उन्नाव, बलिया ,एटा, कौशांबी, प्रयागराज, औरैया, अम्बेडकर नगर, चित्रकूट, आजमगढ़, शामली सहित लगभग ढाई दर्जन जिलों से लोग अपनी समस्याएं लेकर आये। विभिन्न जिलों से आये कई जनप्रतिनिधियों ने भी सार्वजनिक हित के मामले रखें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को निराश नहीं होने दिया जाएगा सभी लोगों की समस्याओं का समयबद्ध रूप से समाधान किया जायेगा।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। हर घर तिरंगा अभियान में नवयुग कन्या महाविद्यालय बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 23 एनसीसी कैडेट ने पुराने अखबार, प्लास्टिक की बोतल, लिफाफे, पुराने पेन, लकड़ी का चम्मच, चूड़ियां, बोरा, दफ्त, गत्ता, पुरानी धोती, दुपट्टा आदि से अत्यंत सुंदर कलाकृतियों का निर्माण किया और आजादी की 50वीं वर्षगांठ को ध्यान में रखते हुए अपनी कृतियों में तिरंगे को भी प्रदर्शित किया, मेजर डॉ. मनमीत कौर के निर्देशन में हुई प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कैडेट खुशी कनौजिया, दूसरा नंदिनी सिंह एवं तीसरा पुरस्कार हफशा अफरोज को मिला।

सांत्वना पुरस्कार से ऋषिता सिंह को पुरस्कृत किया गया।

बिजली बिल के साथ छेड छाड करने वाले अभियुक्त को साइबर सेल ने किया गिरफ्तार

बाराबंकी। साइबर सेल बाराबंकी व थाना कोठी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बिजली बिल के शून्य कराने के नाम पर किये जा रहे फर्जीवाड़ा का भंडाफोड़, 04 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार कब्जे से 04 अदद मोबाइल, दो अदद मोटर साइकिल पल्सर यूपी 32 जेजे 7530, ग्लैमर यूपी 32 जीटी 2340 तथा एक अदद स्विफ्ट कार यूपी 32 सीई 1979 बरामद किया है। वादी लवलेश कुमार वर्मा पुत्र अवधराम वर्मा निवासी बड़ा लालपुर थाना कोठी जनपद बाराबंकी द्वारा थाना कोठी पर अब्दुल हसन निवासी हमीदापुर थाना मलिहाबाद जनपद लखनऊ व उनके साथियों द्वारा बिजली का बिल कम करने के नाम पर ठगी करने व धमकी देने के सम्बन्ध में सूचना दी गई। उक्त सूचना के आधार पर थाना कोठी पर मु०अ०सं० 408/2022०२२ धारा 147/406/147, 406, 506 भादवि० व 66बी सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम बनाम अब्दलु हसन आदि 07 नफर पंजीकृत किया गया। घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी के आदेश पर थाना कोठी पुलिस व साइबर सेल टीम द्वारा डिजिटल डेटा एनॉलसिस एवं मैनुअल इंटेलीजेंस के आधार पर आज घटना से सम्बन्धित 04 अभियुक्तों 1. अब्दुल हसन उर्फ मुन्ना पुत्र जौहर निवासी हमिरापुर थाना मलिहाबाद जनपद लखनऊ, 2. पंकज उर्फ गाजी उर्फ राकी पुत्र स्व० अफसर हुसैन निवासी मधेयगंज खदरा थाना हसनगंज जनपद लखनऊ, 3. गुफरान उर्फ जुल्फिकार पुत्र शाहिद अली निवासी सिकरोरी थाना काकोरी जनपद लखनऊ, ४. रिंकू पंडित उर्फ अमित शुक्ला पुत्र स्व० राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला निवासी गढ़ी पीरखाँ ठाकुरगंज थाना ठाकुरगंज जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगण के कब्जे से 04 अदद मोबाइल, दो अदद मोटरसाइकिल व एक अदद स्विफ्ट कार बरामद किया गया। मुकदमा उपरोक्त में धारा 419, 420, 467, 468, 471/2022बी बढ़ोत्तरी की गयी। गठित पुलिस टीमों द्वारा शेष वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा है। अभियुक्तगण से पूछताछ करने पर प्रकाश में आया कि अभियुक्त अब्दुल हसन उर्फ मुन्ना द्वारा लोगों से सम्पर्क कर बिजली बिल शून्य कराने का प्रलोभन दिया जाता था। तत्पश्चात अभियुक्तगण के झांसे में आये बिजली उपभोक्ता से अब्दुल हसन द्वारा बिजली बिल रसीद लेकर अपने साथी पंकज उर्फ गाजी को भेज दिया जाता था। अभियुक्त पंकज उर्फ गाजी द्वारा उक्त बिल रसीद को बिजली विभाग के काउण्टर पर जाकर अंकित धनराशि के साथ फर्जी चेक लगाकर जमा किया जाता था। अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि चेक से बिजली बिल जमा करने पर बैंक द्वारा चेक क्लीयर होने से पहले ही बिजली विभाग द्वारा बिल शून्य वाली रसीद मिल जाती है, इसका फायदा उठाकर ही सब फर्जीवाड़ा किया गया। अभियुक्तगण द्वारा बिजली उपभोक्ता से सम्पर्क कर बिजली बिल शून्य होने पर अलग–अलग खाताधारकों के बैंक खातों में रूपया ट्रांसफर करा लिया जाता था। खाताधारकों द्वारा उक्त धनराशि का 10 प्रतिशत लेकर शेष धनराशि पंकज उर्फ गाजी को दे दी जाती थी। अभियुक्तगण द्वारा अभी तक लगभग 60 बिलों (धनराशि लगभग 30 लाख रुपये) को शून्य करा कर कमीशन के रूप में लगभग ०७–०८ लाख रुपये अर्जित किया जाना प्रकाश में आया है।

नशे में धुत्त शराबी होमगार्ड ने किया बीच सड़क पर हाई वोल्टेज ड्रामा'

शाहजहांपुर। शराब के नशे में धुत फायर स्टेशन में तैनात होमगार्ड का वीडियो हो रहा है वायरल। शराब के नशे में धुत होमगार्ड ने बीच रोड पर किया हाई वोल्टेज ड्रामा सदबंग स्टाइल में होमगार्ड ने राहगीर का गिरेबान पकड़कर की गाली गलौज।

शराब के नशे में धुत वर्दीधारी होमगार्ड ने पुलिस कप्तान को भी दीं गालियां स वायरस वीडियो में दिख रहा दंबग और शराबी होमगार्ड विक्रम सिंह हैस जो कि शहर के फायर स्टेशन में तैनात है और वह कई दिनों से ड्यूटी से अब्सेंट चल रहा है ।

थाना सदर बाजार के मोहल्ला महमंद जलालनगर के सुभाष वीडियो वाले के पास का मामला बताया जा रहा हैवायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार ने बताया कि वीडियो में दिख रहे होमगार्ड के खिलाफ कार्यवाही के लिए होमगार्ड विभाग के जिला कमांडेंट को लिखा गया है बही जिला कमांडेंट से बात करने पर बताया है कि होमगार्ड को सस्पेंड कर दिया गया है।

सावन का अंतिम सोमवार, शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। आज सावन के अंतिम सोमवार को सुबह से ही शिवालयों के बाहर शिव भक्तों का तांता लगा हुआ है। बाराबंकी जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेवा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील से तीन किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोधेश्वर धाम महादेवा मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर गर्भ गश्ह में सुबह से ही शिव भक्तों की आस्था का सैलाब उमड़ रहा। मंदिर परिसर हर–हर बम–बम भोले के उद्घोष से गुंजायमान रहा। हिंदू धर्म में सावन के महीने को भगवान महादेव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। इस पूरे माह में शिव जी की विधि–विधान से पूजा की जाती है। बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील से 3 किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल महादेवा मंदिर में श्रवण मास के चौथे और अंतिम सोमवार के मौके पर भक्तों की भारी भीड़ दिखी। मंदिर पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने गर्भ गश्ह में भगवान लोधेश्वर महादेव की शिवलिंग का जलाभिषेक करके मनवांछित कामना की। सावन का पूरा महीना भगवान भोले शंकर का माना जाता है, लेकिन सावन में पड़ने वाले सोमवार का विशेष महत्व है। आज सावन माह का अंतिम सोमवार होने के चलते यहां भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर पर पहुंची महिला श्रद्धालुओं ने बताया कि इस महीने में कुंवारी लड़कियां अच्छे वर के लिए शिव जी से प्रार्थना करती हैं और सोमवार का व्रत रखती हैं। वहीं शिव जी को पार्वती ने पति रूप में पाने के लिए पूरे सावन महीने में कठोर तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनकी मनोकामना पूरी की। अपनी भार्या से पुनरू मिलाप के कारण भगवान शिव को श्रावण का ये महीना अत्यंत प्रिय है। यही वजह है कि इस महीने में कुंवारी लड़कियां अच्छे वर के लिए शिव जी से प्रार्थना करती हैं और सोमवार का व्रत रखती हैं। साथ ही विधि–विधान से पूजा अर्चना करती हैं। एक मान्यता के अनुसार, सावन के महीने में भगवान शिव ने धरती पर आकार अपने ससुराल में विचरण किया था जहां अभिषेक कर उनका स्वागत हुआ था। इसलिए इस माह में अभिषेक का महत्व बताया गया है।

संक्षिप्त खबरे

चिकित्सकों के उपस्थिति रजिस्टर में मिली हेराफेरी

बहराइच। खैरा बाजार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण महसी विधायक सुरेश्वर सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान विधायक को यहां व्यवस्थाएं तो बदहाल मिली हीं, चिकित्सकों के उपस्थिति रजिस्टर में भी काफी हेराफेरी देखने को मिली। विधायक ने चिकित्सकों पर कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजने की बात कही। महसी के भाजपा विधायक जब स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे तो उन्हें स्वास्थ्य केंद्र की सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई कर्मी सुनीता देवी को फटकार लगाई। विधायक ने चिकित्सकों के उपस्थित न रहने की शिकायत मिलने पर उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया तो उसमें की गई हेराफेरी से वह भी भौचक्के रह गए। उपस्थिति रजिस्टर में यहां तैनात डॉ. बलजीत कौर के हस्ताक्षर 20 जुलाई के बाद से नहीं मिले जबकि सीएचओ सपना मिश्रा व डॉ. अनेक वर्मा के हस्ताक्षर रजिस्टर में आठ अगस्त तक अंकित पाए गए। इस पर विधायक ने स्वास्थ्य केंद्र न आने वाले चिकित्सकों पर कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजने की भी बात कही। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के खाली पड़े भवन में जुआ खेलने की शिकायत भी विधायक को प्राप्त हुई। इस पर विधायक ने स्थानीय पुलिस कर्मियों को भी फटकार लगाई। इस मौके पर सर्वजीत सिंह, संतराम पांडे, जगदीश जायसवाल, भरतलाल पांडेय, सजल श्रीवास्तव, गुड्डू वर्मा, रामछबीले निषाद, जितेंद्र सिंह, पवन सिंह आदि मौजूद रहे।

माताओं को बताया स्तनपान का महत्व

बस्ती। सामाजिक संस्था इनरव्हील ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत जिला महिला चिकित्सालय में स्तनपान के महत्व के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। क्लब की अध्यक्ष दीपा खंडेलवाल ने स्तनपान के महत्व को बताते हुए कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है। इस अवसर और 15 माताओं को दलिया का पैकट, फल, ड्राई फ्रूटस, फोलिक एसिड, कैल्शियम का टैबलेट, बेबी किट, सॉफ्ट टॉयज आदि सामान दिया गया। विशेषज्ञ के रुप में मौजूद डॉ. अनिता वर्मा ने बताया मां का दूध बच्चे के लिए बहुत जरूरी है। मां के दूध में प्रोटीन, कैलोरीज, लैक्टोज, वसा, विटामिन, लोहा, खनिज, पानी आदि लाभकारी तत्व भरपूर मात्रा में होता है। यह बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है जो कि भविष्य में उसे कई तरह के संक्रमणों से सुरक्षित रखता है। कार्यक्रम में सेक्रेटरी पारुल टिबड़ेवाल, एडिटर रिंकी सावलानी, अनीता अग्रवाल, तूलिका अग्रवाल मौजूद रहीं।

भू-माफिया कर रहे है अवैध निर्माण, तहसील प्रषासन बना अंजान

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। तहसील रामसनेहीघाट की चन्द दूरी पुराने हाईवे ब्लॉक भवन के ठीक सामने बंजर सुरक्षित भूमि 67 जो सड़क से लगी हुई करोड़ों कीमती पर भूमाफिया दबंगों का कब्जा पुनः प्रारंभ हो गया। जहां पर भू माफिया दबंगों द्वारा बिम खड़े करके शटरिंग बांधी जा रही है। इसकी सूचना प्रबुद्ध वर्ग द्वारा तहसील प्रशासन को की गई परन्तु तहसील प्रशासन द्वारा अभी कोई भी वैधानिक कार्रवाई इन भू माफियाओं के विरुद्ध नहीं की गई है। विगत 75 सालों से इस जमीन को भू माफियाओं के चंगुल से बचाया जाता रहा हैं लेकिन आज स्थिति यह है कि नक्शा परिवर्तन की भूमिका बनाकर भू माफिया अवैध तरीके से जमीन पर काबिज हो रहा है। रातो रात शटरिंग बांधते हुये छत डालने की योजना चल रही है। अब देखना यह है कि तहसील प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों पर अमल करते हुए अवैध निर्माण पर अंकुश लगाया जाता है या फिर अवैध निर्माण जारी रहता है।

भर्ती कैंप का आयोजन 16 अगस्त से

बाराबंकी। भर्ती अधिकारी फैजल खान एसएससीआई, एसआईएस, रीजनल ट्रेनिंग अकैडमी, लखनऊ द्वारा बताया गया कि भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली एवं ग्लोबल स्किल प्लेसमेंट के सौजन्य से एस आई एस के संयुक्त तत्वाधान में भर्ती कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें ग्रामीण व शहरी शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने हेतु सिक्योरिटी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा भर्ती कैंप जिला के समस्त विकास खण्ड में आयोजित किये जायेंगे। जिसमें 16 अगस्त 2022 को विकासखंड निंदूरा और बनीकोडर, 17 अगस्त 2022 को विकासखंड देवा और दरियाबाद, 18 अगस्त 2022 को विकासखंड सूरतगंज और मसौली, 20 अगस्त 2022 विकासखंड रामनगर और त्रिवेदीगंज, 22 अगस्त 2022 को विकासखंड सिरौलीगौसपुर और पुरेडलई, 23 अगस्त 2022 को विकासखंड फतेहपुर और हरख, 24 अगस्त 2022 को विकासखंड सिद्धौर और हैदरगढ तथा 25 अगस्त 2022 को विकासखंड बंकी में समय प्रातः 10 से 3 बजे तक भर्ती कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

10 दिवसीय समारोह में शामिल होंगे देश भर के संत-श्रद्धालु,सीएम योगी रहेंगे चीफ गेस्ट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। 13 करोड़ श्रीराम महामंत्र का जप एक साथ 501 साधक करेंगेस 5 से 14 अक्टूबर तक होने जा रहे 10 दिवसीय समारोह में देश भर के संत–श्रद्धालु शामिल होंगे, सीएम योगी आदित्यनाथ समारोह के चीफ गेस्ट रहेंगे जबकि एमपी के सीएम शिवराज सिंह को भी आमंत्रित किया गया है, जगदगुरू स्वामी वल्लभाचार्य ने बताया कि ढाई दशक पहले अयोध्या के सिद्ध संत स्वामी राम हर्षण दास महाराज ने 13 करोड़ श्रीराम षड अक्षर महामंत्र का अनुष्ठान किया था, इसके बाद इस तरह का अनुष्ठान अयोध्या सहित समस्त मानवता के कल्याण के लिए बेहद उपयोगी होगा, इससे सकारात्मक उर्जा का प्रवाह बढ़ेगा और लोक मंगल होगा, समारोह में जगदगुरु रामभद्राचार्य ,मलूक पीठाधीश्वर डाक्टर राजेंद्रदेवाचार्य सहित अयोध्या और पूरे देश के संत शामिल होंगेस समारोह में 5 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक रोज रामकथा, 5 से 14 तक वृन्दावन की प्रसिद्ध चौतन्य महाप्रभु लीला,501 श्रीमद्भागवत महापुराण का पाठ और प्रतिदिन भंडारा का आयोजन किया गया है। मंहत रामभूषण दास कृपालु ने बताया कि 11 से 13 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक संत सम्मेलन का आयोजन किया गया हैस समारोह की तैयारियों से जुड़ी बैठक में मौजूद अन्स महंतों में तुलसी दास छावनी के महंत जनार्दन दास, बड़ा भक्त माल के महंत अवधेश कुमार दास, राम महल के महंत रामजी शरण, पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास।

एल्गिन ब्रिज पर सरयू ने पार किया खतरे का निशान

बहराइच। नेपाल के पहाड़ों पर लगातार हो रही बरसात से जिले के बैराज पानी से लबालब हैं। इस वजह से बैराजों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है जिससे सरयू में जलस्तर भी बढ़ रहा है। बहराइच–लखनऊ मार्ग पर संजय सेतु के पास एल्गिन ब्रिज पर सरयू खतरे के निशान से छह सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सरयू का जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती गांवों के निवासी सहमे हैं।

सरयू की कटान भी तेज हो गई है। तहसील कैसरगंज में सरयू की कटान की चपेट में आने से 14 मकान जलधारा में समाहित हो गए हैं। बैराजों से लगातार पानी छोड़े जाने का सिलसिला जारी है। बैराजों से पानी छोड़े जाने से सरयू नदी एल्गिन ब्रिज पर खतरे का निशान पार कर आठ सेंटीमीटर ऊपर बह रही है।

ईश्वर के प्रति आस्था व विश्वास रखकर अध्यात्म मार्ग पर आगे बढ़े

बाराबंकी। शांतिपुरम सेवा समिति की बैठक राम प्रकाश वर्मा पूर्व प्राचार्य के लखपेड़ाबाग स्थित निवास पर आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता सुरेश चंद्र बैसवार एवं संचालन डॉ नन्हे सिंह ने किया। डॉ वीरेंद्र श्रीवास्तव संयोजक द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि हम ईश्वर के प्रति आस्था व विश्वास रखकर ही अध्यात्म मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं। डॉ बलराम वर्मा द्वारा स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए घर–घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया गया। व्यंग्यकार अनिल श्रीवास्तव लल्लू द्वारा हास्य व्यंग्य की कविताएं प्रस्तुत करते हुए मित्रता दिवस की बधाई देकर सभी साथियों से अनुरोध किया गया कि हम सब लोग आपस में ईर्ष्या द्वेष भूलकर एक दूसरे के प्रति मित्रवत व्यवहार रखें।

डॉक्टर राम सुरेश वर्मा, नवमी लाल, लल्लू वर्मा, रज्जन लाल श्रीवास्तव द्वारा लोक कथाएं प्रस्तुत की गई वही दिनेश सिंह, नींबू लाल गुप्ता, रामबालक मिश्रा, राधेश दीक्षित द्वारा कविताएं प्रस्तुत की गई। सुरेश चंद्र बैसवार द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी से गुरु परंपरा का पालन करने का आह्वान किया गया। उन्होंने यह भी कहा जिन्होंने अब तक गुरु दीक्षा नही ली है वह अवश्य लें जिससे वह ईश्वर के प्रति आस्थावान हो सके। बैठक में राम प्रकाश वर्मा पूर्व प्राचार्य द्वारा समिति में उपस्थित पदाधिकारियों सदस्यों व उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इसके अतिरिक्त बैठक में रविंद्र यादव, राम शंकर, राजेंद्र प्रसाद, राम अभिलाष, उदय शंकर, शत्रुघ्न लाल वर्मा द्वारा प्रतिभाग किया।

पेशी से लौट रहे युवक पर चाकू से हमला

बाराबंकी। नगर कोतवाली से चंद कदम दूर बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। युवक के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों को आते देख आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है। पूरा मामला नगर पालिका बिल्डिंग के पीछे का है। जहां हजारा बाग का रहने वाला युवक हेमंत कुमार सिंह आज पेशी से लौटकर किसी को पैसे देने जा रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बेखौफ दबंगों ने नगर पालिका की नई बिल्डिंग के पीछे पहुंचते ही उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने युवक को इलाज के लिए बाराबंकी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक हेमंत ने बताया कि एक महीने पहले इन लोगों से विवाद हुआ था। इन लोगों ने रोक कर उसे मारा पीटा था। कुछ लोग वहां पर आ गए थे। जिससे यह लोग वहां से भाग गए थे। एक लोग बच थे। जिसने पैसे देकर मुकदमा करा दिया था। उसी मुकदमे की पेशी से वह वापस आ रहा था। नगर पालिका बिल्डिंग के पीछे एक लोग को दुकान पर पैसे देने जा रहा था। इसी बीच यह लोग वहां पर मिल गए। पहले सिर पर वार किया उसके बाद दौड़ाकर चाकू मारा।

दहेज के लिए शादी से इनकार, पुलिस ने चार लोगों पर किया मुकदमा दर्ज

बस्ती। जिले के मुंडेरवा थाना क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर शादी से इंकार करने के एक मामले में पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि लड़की देखने की रस्म पूरी होने के बाद शादी तोड़ने पर लड़की पक्ष ने जब खर्च हुई धनराशि वापस मांगी तो जानमाल की धमकी देने लगे।

मुंडेरवा थाना क्षेत्र के रहने वाले लड़की के पिता ने थाने पर तहरीर देकर बताया है कि उनकी बेटी की शादी लालगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले पंकज नाम के युवक से तय हुई थी।

जून में लड़की दिखाई का कार्यक्रम हुआ। आरोप है कि इसमें वर पक्ष को 21 हजार नगद, बर्तन, कपड़ा व अन्य सामान पर करीब 25 हजार रुपये खर्च किया गया।

जिला अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट में तिरंगा यात्रा का किया शुभारंभ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

शाहजहाँपुर। आजादी के महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट से तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ किया जो शहीद उद्यान में शहीदों की प्रतिमाओं के समक्ष समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए जिला अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कहा आजादी के अमृत महोत्सव को सभी जनपदवासी उत्साह के साथ मनाएं। सभी से अपने अपने घरो में तिरंगा लगाये जाने की अपील करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा के साथ एकता का परिचय दें एवं शहीदों के त्याग और बलिदान से हमें जो आजादी मिली है, उसको बरकरार रखने के लिए हम अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। तिरंगा यात्रा में जिला अधिकारी उमेश प्रताप सिंह सहित विभिन्न स्कूलों के छात्र शमिल हुये। उनके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी रामसेवक द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक शौकीन सिंह यादव, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार, प्रवक्ता राम सिंह राजीव अग्रवाल आदि ने तिरंगा के साथ उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। तिरंगा यात्रा में सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, देवी प्रसाद इंटर कॉलेज, मंगल सेन इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, एबी रिच इंटर कॉलेज, जनता इंटर कॉलेज, आर्य कन्या, आर्य महिला, सुदामा प्रसाद इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। यात्रा में भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिंद, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए छात्र उत्साह के साथ चलते रहे। यात्रा में सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज के सुशील कुमार, के सिंह, अक्षय सक्सेना, राजकीय इंटर कॉलेज के राजीव अग्रवाल, संजय शंकर मिश्रा, रत्नेश शुक्ला डीपी विद्यालय के रामकुमार, अनिल मालवीय, जनता इंटर कॉलेज के रामपाल सिंह तथा रंगोली बनाने में सुदामा प्रसाद इंटर कॉलेज आर्य कन्या इंटर कॉलेज आर्य महिला इंटर कॉलेज की छात्राओं ने शिक्षिकाओं के साथ महती भूमिका निभाई।

लूट का फर्जी मुकदमा दर्ज होने से अधिवक्ताओं में आक्रोश

पुलिस अधीक्षक ने दिया आश्वासन जांच के बाद होगी कार्यवाही

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन बाराबंकी के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार वर्मा व महामंत्री रितेश कुमार मिश्रा के नेतश्त्व में आज सैकड़ों अधिवक्ता का प्रतिनिधि मण्डल पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स से मिला और मुकदमा अपराध संख्या 780/2022 अ०धारा 406, 420, 392, 323, 504, 506, 427 आईपीसी थाना कोतवाली नगर, बाराबंकी के सम्बंध में निष्पक्ष जांच कराये जाने की मांग की गई। जिस पर एसपी ने आश्वासन दिया कि यदि मुकदमा झूठा हुआ तो शिकायतकर्ता के विरूद्ध भी आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। प्रतिनिधि मण्डल द्वारा बताया कि वादी रवीन्द्र कुमार द्वारा दुराशयपूर्वक अधिक्ता अनूप सिंह, अधिवक्ता अभिषेक सोनी, बाकर अम्मार नकवी, मो० आफाक उर्फ शेखू, कर्मवीर सिंह आदि के खिलाफ विधिक प्रक्रिया का दुरूपयोग करके मुकदमा पंजीकृत करवाया गया है, जबकि मुकदमें में वर्णित सभी तथ्य व घटना पूर्ण रूप से फर्जी है। वादी कई मुकदमों में स्वयं वांछित हैं और उसके भाई व भाभी वर्तमान समय में जिला कारागार लखनऊ में न्यायिक हिरासत में हैं जिन पर उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में दर्जनों मुकदमें फर्जी कम्पनी बनाकर लोगों का करोड़ों रूपया ठगने के सम्बंध में दर्ज है और वादी भी मुकदमों में वांछित एवं नामित है। वही अधिवक्तागण अनूप सिंह व अभिषेक सोनी उक्त मुकदमों में वादी के विरूद्ध पैरवी कर रहे थे जिसके कारण वादी के परिवारीजन जेल में निरूद्ध है। इस कारण दबाव बनाने के लिए झूठें तथ्यों को गढ़कर मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। इस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही व न्याय अनुसार प्रक्रिया का आश्वासन दिया गया और झूठा मुकदमा लिखाने वाले व संलिप्त सहयोगियों की जांच करायी जाये। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया कि यदि उक्त मुकदमा झूठा हुआ तो शिकायतकर्ता के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। प्रतिनिधि मण्डल में वरिष्ठ अधिवक्ता राजू मिश्रा, आशीष त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह, पवन मिश्रा, रवि शुक्ला, अजीत झा अनूप सिंह, अभिषेक सोनी, अनुपम मिश्रा, दिनेश कुमार शुक्ला, निर्मल सिंह, शशांक श्रीवास्तव, अमेय विक्रम सिंह, कुलदीप यादव, प्रशांत मिश्रा, वेद कुमार आदि सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।